Bdendra Kr Agam
Dept of Geography
Raja Singh College Siwan

भारत में चीनी उद्योग-2

B.A. Part-II
Paper-II
Unit-III

SEPTEMBER FRIDAY 16
2016 WK 38 260-105

OCTOBER 2016

Bihar: यह भी चीनी के परंपरागत उत्पादकों में से हैं।
प्रमुख क्षेत्र- सारण, चम्पारण, मुजफ्फरपुर, सीवान, गोपालगंज, दरभंगा आदि।
Punjab: गुरदासपुर, जालंधर, संगरूर, पटियाला, अमृतसर आदि
Haryana- करनाल, अंबाला, रोहतक, हिसार, गुड़गांव आदि
Gujrat - सूरत, जूनागढ़, राजकोट, अमरेली, वलसाड, भावनगर आदि

Sugar Industry in South India:

दक्षिण भारत ने चीनी के उत्पादन में बहुत उन्नति की है। सन 2000-01 में दक्षिण भारत का चीनी उत्पादन में योगदान 60% तक पहुँच गया।

Maharashtra:

यह भारत का सबसे बड़ा उत्पादक राज्य है। यहाँ उत्तर में मनमाड़ से लेकर दक्षिण में कोल्हापुर तक लंबी पट्टी में चीनी उद्योग विस्तृत है। अधिकतर मिलें सहकारी क्षेत्र में हैं।
- यहाँ गन्ने में चीनी की मात्रा 11% तक होती है।
- गन्ने की पेराई अवधि 162 दिन है।
प्रमुख क्षेत्र: कोल्हापुर, सांगली, अहमदनगर, शोलापुर, पुणे, मनमाड आदि

Tamilnadu:

इस राज्य ने भी चीनी उद्योग में उल्लेखनीय प्रगति की है।
- यहाँ गन्ने का प्रति हेक्टेयर उत्पादन सर्वाधिक है।
- यहाँ गन्ने में रस अधिक होता है जिससे चीनी उत्पादन में सुविधा होती है। इन्हीं सुविधाओं के कारण यह तीसरा बड़ा उत्पादक बन गया है।
प्रमुख क्षेत्र: कोयम्बटूर, उत्तर व दक्षिण अर्काट, तिरुचिरापल्ली आदि

Karnatak: बेलगाम, बेल्लारी, मांड्या, शिमोगा, बीजापुर, चित्रदुर्ग आदि

Andhra Pradesh/Telangana

तटीय प्रदेश की जलवायु उपयुक्त है। प्रमुख केंद्र- गोदावरी, विशाखापट्टनम, निजामाबाद, कृष्णा, मेदक, चित्तूर आदि।

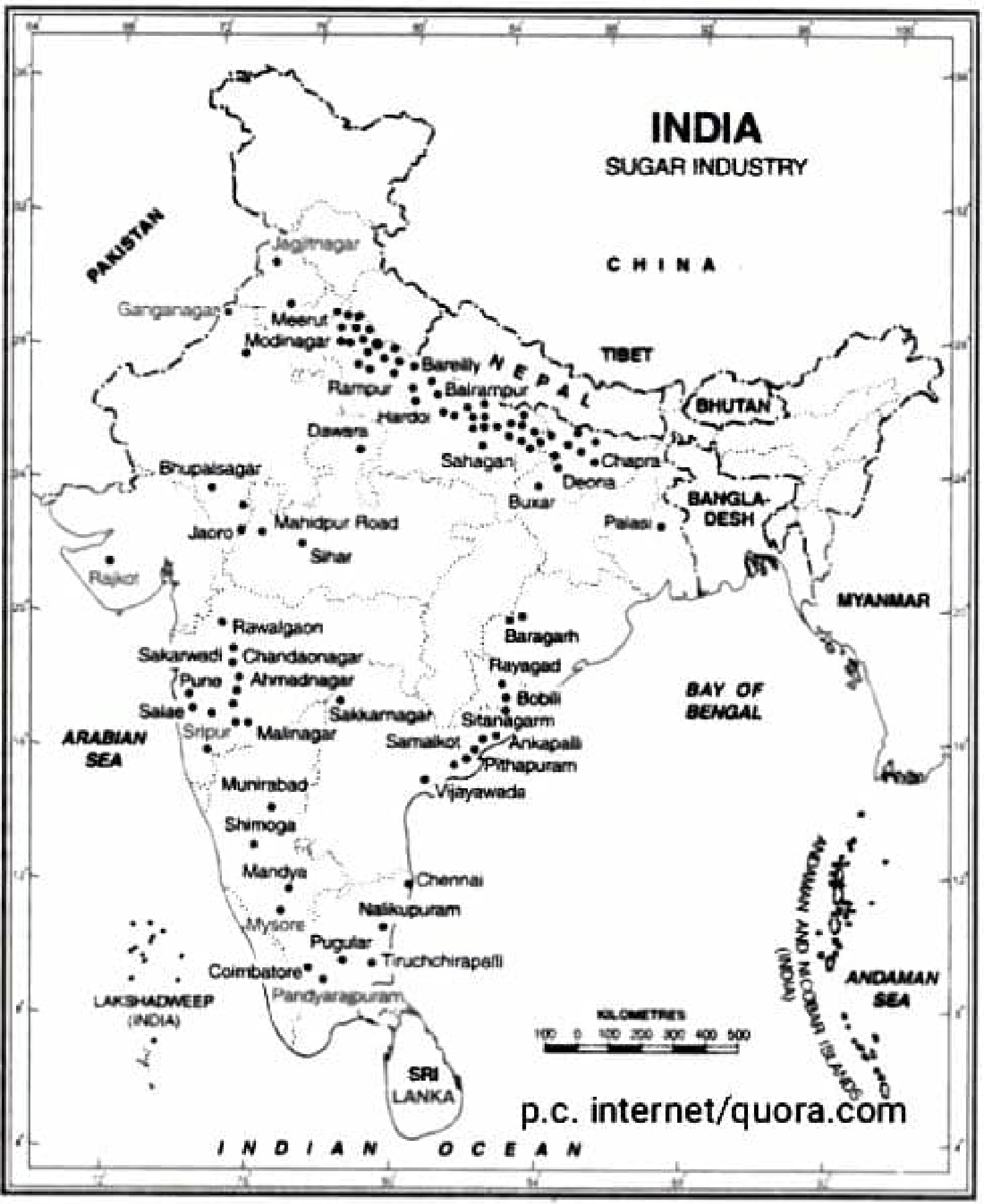

FIG. 27.17. India : Distribution of Sugar Industry

Reason for shifting of sugar Industry in South India

- अधिक अनुकूल (सामुद्रिक) जलवायु - शर्करा/सुक्रोस की अधिक मात्रा
- निश्चित सिंचाई के साधन
- खेती करने के अच्छे ढंग
- दक्षिण भारत में चीनी उद्योग नया है, अतः कारखाने बड़े और मशीनें नई हैं।
- दक्षिण भारत के खेतों व कारखानों की उत्पादकता अधिक है।
- सहकारी समितियाँ सफल हैं।

Problems of Sugar Industry:

चीनी उद्योग को कई चुनौतियों का सामना पड़ रहा है जैसे -
- उद्योग का अल्पकालिक होना
- पुरानी व परंपरागत तकनीक का प्रयोग
- परिवहन असक्षमता से गन्ने का समय पर कारखानों में न पहुँच पाना
- खोई (Baggasse) का अधिकतम इस्तेमाल (जैसे-ईंधन) न होना
- समय पर किसानों को गन्ने का मूल्य न मिलना
- विद्युत की कमी आदि।

By Product of Sugar Industry: शराब, एल्कोहल, दफ्ती, कागज, मीठे चारे आदि।

चीनी उत्पादक शीर्ष राज्य

राज्य 2012-13	उत्पादन %
महाराष्ट्र	31.83
U.P.	29.84
कर्नाटक	13.78
तमिलनाडु	7.59

गन्ना उत्पादक शीर्ष राज्य

राज्य 2010-11	उत्पादन %
U.P.	36.0
महाराष्ट्र	22.8
कर्नाटक	10.98
तमिलनाडु	8.10

18 SUNDAY

कानपुर स्थित Indian Institute of Sugar technology, गन्ना विकास विभाग तथा चीनी मिलों एवं सरकारी सहयोग से नई, अधिक उत्पादनशील गन्ना की किस्मों का विकास हो रहा है। कृषकों को सिंचाई, उर्वरक तथा उचित ~~किस्म~~ कीमत प्रदान करके गन्ना का प्रति हेक्टेयर उत्पादन बढ़ने की संभावना है।